3XQTDT

पाठ 11

दादा जी

परिवार में दादा–दादी का पोते–पोती के प्रति गहरा स्नेह रहता है। पोते–पोती भी दादा–दादी के प्रति गहरा प्रेम रखते हैं। एक–दूसरे के हित की रक्षा भी वे करते हैं। इस पाठ में दादा जी के प्रति एक पोते का ऐसा ही भाव दर्शाया गया है। बच्चे और बूढ़े लोगों की प्रवृत्ति एक–सी होती है। इस पाठ से यह स्पष्ट होता है।

विक्की को स्कूल से घर आने में देर हो गई थी। उसकी माँ चिंतित हो रही थीं। उनकी चिंता एक घटना ने और बढ़ा दी। वे जब घर के बाहर लैटर–बॉक्स में चिट्ठियाँ देखने आईं, तभी हवा का तेज़ झोंका आया और घर के किवाड़ एकाएक ऐसे बंद हुए कि खोले नहीं खुले। भीतर अकेले पिता जी रह गए। विक्की की माँ पुकारते–पुकारते थक गईं लेकिन उन्होंने भीतर से कोई जवाब नहीं दिया। विक्की की माँ बेचारी रुआँसी हो गईं। आसपास के लोग घर के सामने इकट्ठे हो गए।

विक्की के स्कूल में जब क्रिकेट का मैच समाप्त हुआ, तब वह घर आया। घर के बाहर लोगों की जमा भीड़ को देखकर वह हैरान हो गया। उसने देखा, उसकी माँ बार–बार आँचल से आँखें पोंछ रही हैं। वह एकदम दौड़कर माँ के पास पहुँचा और उनसे पूछ बैठा,''माँ, क्या बात है? तू क्यों रो रही है?''

माँ तो कुछ नहीं बोल पाई लेकिन पास में खड़ी उषा मौसी ने उसे बताया, ''घर का दरवाजा अपने आप बंद हो गया है। पिता जी अन्दर हैं। इधर से हम लोग आवाज लगा रहे हैं, वे किवाड़ खोलते ही नहीं। दिखाई भी नहीं दे रहे।''

विक्की ने हँसकर कहा,''माँ! जरा–जरा–सी बात पर आँखों में आँसू भर लाती हो। लो, मैं दादा जी से कहकर दरवाज़ा खुलवाए देता हूँ।''

इतना कहकर विक्की ने अपना बस्ता वहीं सीढ़ियों पर रखा और आम के पेड़ की ओर लपका। माँ ने उसे रोका, ''अरे बेटे, पेड़ पर मत चढ़ना। कहीं तेज हवा के झोंके में ....।''

''माँ, तुम इस तरह डराने की बातें क्यों करती हो? मुझे कुछ नहीं होगा। तुम देखती जाओ, मैं क्या करता हूँ।''

आम के पेड़ की एक डाल विक्की के घर की खिड़की के बराबर जाती थी। विक्की पेड़ पर चढ़कर सरक–सरककर खिड़की के सामने पहुँच गया। कमरे और कमरे के बाहर

का पूरा दृश्य उसे दिखाई दे रहा था। लेकिन वहाँ दादा जी नज़र नहीं आ रहे थे। वह टकटकी लगाए खिड़की की ओर देख रहा था। माँ ने पूछा, ''विक्की, पिता जी दिखाई पड़े ?''

विक्की ने कहा, ''नहीं माँ.....हाँ।'' दादा जी अब उसके सामने थे। उनके हाथ में मिठाई की प्लेट थी। विक्की की माँ ने विक्की के जन्मदिन के लिए मिठाइयाँ बनाई थीं। लगता है दादा जी के हाथ में वे ही मिठाइयाँ पड़ गईं। लेकिन डॉक्टर ने तो उन्हें मिठाई खाने के लिए मना किया था। फिर दादा जी मिठाई क्यों खा रहे हैं?

माँ बार–बार पिता जी के बारे में पूछ रही थीं लेकिन विक्की खामोश था। अचानक दादा जी की नज़र विक्की पर पड़ी। वे भौंचक्के रह गए। उन्होंने होठों पर उँगली रखते हुए कहा ''श.....श.....श'', यानी चुप रहना। विक्की ने सोचा,'' दादा जी ने भी मेरी कई बार सहायता की है। छमाही परीक्षा का परीक्षाफल आया था। तब पापा की मार से दादा जी ने ही बचाया था। उन्होंने पिता जी से कहा था, ''अब मैं ही विक्की को गणित पढ़ाऊँगा। लगता है, वह गणित में कमज़ोर है।'' मुझे भी इस समय दादा जी की सहायता करनी चाहिए।''

दादा जी का इशारा समझकर विक्की ने मुस्कुराते हुए गर्दन हिला दी। प्लेट को यथास्थान रखते हुए दादा जी ने तौलिए से मुँह पोंछा और वे दरवाज़ा खोलने आ पहुँचे।

रात हुई। विक्की के जन्मदिन का समारोह मनाया गया। बच्चों ने खूब धूम–धड़ाका किया। विक्की को तिलक लगाया गया। सब बच्चों ने गीत गाया, 'तुम जियो हजारों साल।' विक्की ने अपने मित्रों को मिठाइयाँ खिलाईं। फिर वह प्लेट लेकर दादा जी के पास गया। ''दादा जी, मुँह खोलिए''– वह बोला।

''नहीं बेटा, मैं मिठाई नहीं खाऊँगा। डॉक्टर ने मना किया है।'' ''दादा जी, डॉक्टर ने मना किया है, आप मिठाई नहीं खाएँगे। बताऊँ सबको दोपहर की बात।''

''न,न,न.....''कहते हुए दादा जी ने रसगुल्ला गपक लिया और वे बोले, ''तुम–जि–ओ ह–जा–रों साल।''

शब्दार्थ

लैटरबॉक्स – पत्र–पेटी

रूआँसी – रोने जैसी

हैरान – आश्चर्यचकित

खामोश – चुप

नीचे लिखे शब्दों के अर्थ कोष्ठक में से छाँटकर लिखो।

(उचित जगह, बगैर पलकें झपकाए देखना, हक्का–बक्का)

टकटकी लगाकर देखना – ——————————

भौंचक्का – ——————————

यथास्थान – ——————————

प्रश्न और अभ्यास

प्र.1. विक्की के घर उस दिन कौन–सा उत्सव मनाया जा रहा था ?

प्र.2. विक्की की माँ क्यों चिंतित हो रही थीं ?

प्र.3. विक्की हैरान क्यों हो गया ?

प्र.4. माँ की बात सुनकर विक्की को हँसी क्यों आ गई ?

प्र.5. दादा जी अंदर क्या कर रहे थे ?

प्र.6. विक्की ने दादा जी की सहायता क्यों की ?

प्र.7. विक्की ने दादा जी की कौन–सी बात सबसे छुपाई थी ?

प्र.8. दादाजी ने बहुत देर तक किवाड़ क्यों नहीं खोले ?

प्र.9. किवाड़ खुलने पर विक्की की माँ ने दादा जी से किवाड़ न खोलने का कारण जरूर पूछा होगा। दादा जी ने उस समय क्या बहाना बनाया होगा? सोचकर लिखो।

प्र.9. यदि विक्की दादा जी की मिठाई खाने वाली बात सभी को बता देता तो दादा जी क्या करते?

भाषा–अध्ययन और व्याकरण

प्र.1. पाठ में शब्द आए हैं–'पुकारते–पुकारते', 'सरकते–सरकते'। इसी तरह के

अन्य पाँच *शब्द* लिखो और उनका अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

प्र.2. सही शब्द चुनकर लिखो।

क.	खत्म	ख.	लेकिन	ग.	परीक्षा
	खतम		लेकीन		परिक्षा
घ.	चींता	ङ.	आंचल	च.	चढ़ना
	चिंता		आँचल		चड़ना

प्र.3. पढ़ो, समझो और लिखो

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
मिठाई	मिठाइयाँ	लड़का	लड़के
खिड़की	खिड़कियाँ	रसगुल्ला	रसगुल्ले
साड़ी	– – –	बस्ता	– – –
बकरी	– – –	रास्ता	– – –
लकड़ी	– – –	झगड़ा	– – –
सहेली	– – –	तवा	– – –

- हवाई जहाज आसमान उड़ रहा है।

तुम्हें यह वाक्य कुछ अटपटा लग रहा होगा। अब इस वाक्य को फिर से पढ़ो।

- हवाई जहाज आसमान <u>में</u> उड़ रहा है।

प्र.4. इन वाक्यों को ठीक करो।

क. दादा जी तौलिए मुँह पोछा। ——————————

ख. बच्चों खूब धूम धड़ाका किया। ——————————

ग. धूप बैठकर चना खाया । ——————————

घ. पहाड़ी गाँवों बाँध डर बना रहता है। ——————————

अब वे सभी शब्द फिर से लिखो जिन्हें तुमने जोड़ा है।

——————————————————————————————

रचना

तुम अपना जन्मदिन किस प्रकार मनाते हो ?

योग्यता विस्तार

- तुम अपने दादा जी से कहानियाँ, घटनाएँ, चुटकुले जरूर सुनते होगे। हर एक विद्यार्थी दादा जी से सुनी हुई कहानी या घटना या चुटकुला कक्षा में सुनाए।

शिक्षण–संकेत

- बच्चों को समूह में पढ़ने का अवसर दें।
- मुख्य संवादों का छात्र–छात्राओं से मंचन कराएँ।
- छात्र/छात्राओं से अपने–अपने दादा जी के संबंध में बताने को कहें।
- परिवार के अन्य बड़े सदस्यों के प्रति उनका क्या दृष्टिकोण है, जानें।

3XZPFG